



श्री श्री मस गायन म

२ म विगा ८४ धी म सुदि १

आ द म

म ध व क र दी स

म को ला पा नि पू ना व द न द मि र

व म ला द व दा म स

व सा म

शु द द ल दू ला व धि प ल

म द र व म म धि स र व न द मि र

आ उ मि ना स

म म द न पू न स

म न उ दा नी स

व र न व दू ना व म द न

व म न म पू न स

शु ड न ड ल

म धु नि या पा न स

म आ द न म को द वा ल म

म म नि उ म द वा द म य ना ग ल क र

म म म म म म म म म

म म म म म म म

म म म म म म म

म म म म

म सि क न न स

म स य म व प न

म य य म म

म य य म म

म य य म म

म य य म म

म य य म म

म य य म म

म य य म म

म क क म य न रू म य

म य य म म म म

म य य म म म म

म य य म म म म

म य य म म म म

म य य म म

म य य म म

म य य म म

म य य म म

म य य म म

म य य म म

म य य म म

म य य म म

वृकाणी

वृकाणी

वृकाणी

वृकाणी

वृकाणी

वृकाणी

वृकाणी

वृकाणी

वृकाणी

वृकाणी

वृकाणी

वृकाणी

वृकाणी

वृकाणी

वृकाणी लगेगा वर अका निद

वृकाणी ना उममज धरु के कने

वृकाणी उवतयनीम

वृकाणी पुगनी

वृकाणी निरुजिवा द

वृकाणी सुलहम धरु उमि नययनाव

वृकाणी वृद्वेदि

वृकाणी ममनययनिम

वृकाणी ममनययनिम

वृकाणी ममनययन

वृकाणी ममनययन

वृकाणी ममनययन

वृकाणी ममनययन

वृकाणी ममनययन

वृकाणी ममनययन

वृकाणी ममनययन

वृकाणी ममनययन

वृकाणी ममनययन

वृकाणी ममनययन

वृकाणी ममनययन

वृकाणी ममनययन

वृकाणी ममनययन

वृकाणी ममनययन

१ श्रीजामचखया॥नमः॥ शुक्लावनधर्नविष्णुं गुणिवर्णं चतुर्भुजं॥ प्रसन्नवदनं ध्याय सर्वविघ्नान्नकथ॥
 ॥१॥ आत्मानं तत्त्वलक्षणं नमोनाजीवलोचनं॥ जानकीलक्षणं लयात् जगत्कृतमभित॥२॥ सासिगुणध
 नूर्वाणं पार्श्विनकं च वाक्कर्म॥ सतीलया जगत्कृतं सावित्रीतमर्जविष्णुं॥३॥ गतुमिच्छति यस्तु तदस्य
 सर्वजगत्कृतं॥ नामनकाय १० त्यागः ४ पापघ्नी सर्वकामदा॥४॥ निनामनाद्यवः पातु॥ सार्वदण्डनथात्म
 ५॥ कोनिलेपाद्योपातु विष्णुमिच्छति यः धृती॥५॥ ध्यातुं पातु मखगाता मूर्खसो मिषिवत्सलः॥
 ६॥ विष्णुनिधिः पातु कर्णरत्नवदितः॥६॥ स्कन्धोदियायुधः पातु दुर्जोरघ्नकात्मकः॥

कर्मोत्तीनायतिः पातु हृदयं जामदग्निजित्॥७॥ मधुपातु खनधर्मी तारिं जामवदाद्ययः॥ सुग्रीवः ४
 कर्णपातु सकिनीहनुमत्सुवृक्षः॥८॥ अयानमडकोपातु कोनिल्यानन्दवर्द्धनः॥ उन्नतधूरुमः पातु
 नरकः ४ लविनागकृतः॥९॥ सुवाका नृगिन्ः पातु सकानामरुयकः ४ जानूनी सधुकेत्यातु ऊर्ध्वद
 १॥ मूकानकः ॥१०॥ पादोविगीषतः पातु भास्विलं वयः॥ अन्तानिममनामानि मरुकास्तार्जु
 यः॥११॥ अश्वमेधः पूर्णध्वजः संजघानि नर्मणयः॥ अर्तनामवनावर्गं नकायः ४ सुवर्गीयः १०॥१२॥ स
 विनायकः सुखी पूरी विजयी विनयात्तवः॥ पातालरुतलथाम जायते शुभं कानि ४॥१३॥ नद

नामः वायु सत्त्वः ॥ २३ ॥ दक्षिणालक्ष्मि धन्वी नामः ज्ञानकी पुत्रा। पूनता मानुति र्य
 स्य तन्मा मिनेयुक्तम् ॥ २४ ॥ अथ दामयदुर्लभं दातारं सर्वसंयदा। लाकारि नामं धीनामं रूपा
 रुपा नामा मयर्द ॥ २५ ॥ अनामः कल्पवृक्षादौ विलासः सकला यदा। अतिनामः सर्वलाका ना
 या मा नामः समप्रयुक्त ॥ २६ ॥ ॥ इति श्री वासुदेव कृते श्री नामक वर्चसमाय ॥
 समगता ८५ वेणारव पुष्टि ॥ श्री कृष्ण मन्त्रे ॥ लिखितं उक्तं वापु रिक्ता भवति ॥ ॥

सुतं पूज्यं वाङ्मनी याचितारं लोकां विदं धावि भावं नृप श्री। अथ दामं या पुणालं
 च वै आ दातुं मर्तुं मादृ न्ना वा ज पुष्टि ॥ ॥ दक्षिणालक्ष्मि धन्वी नामः ज्ञानकी पुत्रा। पूनता मानुति र्य
 स्य तन्मा मिनेयुक्तम् ॥ २४ ॥ अथ दामयदुर्लभं दातारं सर्वसंयदा। लाकारि नामं धीनामं रूपा
 रुपा नामा मयर्द ॥ २५ ॥ अनामः कल्पवृक्षादौ विलासः सकला यदा। अतिनामः सर्वलाका ना
 या मा नामः समप्रयुक्त ॥ २६ ॥ ॥ इति श्री वासुदेव कृते श्री नामक वर्चसमाय ॥
 समगता ८५ वेणारव पुष्टि ॥ श्री कृष्ण मन्त्रे ॥ लिखितं उक्तं वापु रिक्ता भवति ॥ ॥

विष्णोर्विष्णु कृतम्

०६९ मुख सादि सुमन
० दिव्य राम यात्री का यद्व
० अमीन ॥ गीत श्रीमीनका
० पाक

गामादन्तरे सो ६ नवनम गाम
श्रीमल्लद्वन (खवाकायाया
(ख १०) गमात्र
(ख २) नेकान
(ख १) खरुन
(ख ३) मस्वाम
(ख १) दो १ सिद्धागक
ख ३४ के वा न काम को २
ख २४ वा न काम को २
ख ३ के वा न काम को १

दिव्यादासके था (खवाकाया
(ख २) नेकान ॥ ख १३४ द १ का
(ख १) गमात्र
ख १ खरुन
ख ३४ न काम के वा को १
ख २ म न काम के वा को २

सो

(ख १) मुनामाप सुकृप दम
पणिय दासवाया गजावध
सा ६३ (ग जी वनगु नाम शे का
(ख ८) कोणीस खेवे
(खवा) गमा काशीनाथया
सा ६३ काशीस

(ख १) दत्तगी २ खानद्व
सा ६३ (खवा) गमा श्रीमास
द्वव या जवन वूनीस
सा ६३ (खवा) गमा दिव्याप
होया (गम) न खरुन
सा ६३ दिव्याप २ या
खवा (गम) मा

वनगु गामन (खवा) काखाया
०६२ दो १ न काम
कवा १ ०४ ६ १ न काम को २
को वा को १ न काम को २
कवा १ ०४ ६ १ न काम को २
(ख १) गमात्र

अभिलेखिका

2098

I

ASIA ARCHIVES

गंगा नद्या साठगा धव
 गंगा नद्या साठगा सखदिका
 गंगा नद्या साठगा पधुना मया
 साठगा धव भा ४
 साठगा पनगुना मया
 साठगा पधुना मया
 साठगा धमधमा हि धवगा
 लुमगना मया पनगुना मया

लुक २५ अं पा हे
 साठगा देवि पा
 साठगा धवक
 साठगा विष्णु भाक
 कोनी मया धी

अन्यापयति ताना कु जीवानी कोकसं यदि। वातावस्था युक्तानि नरकं नपा नित ॥
 श्रुश्रुश्रुतिनः पापा अपि गच्छन्ति नान्यथा ॥ अहिकर्षी नरवं मांसं यदि काश्चापि पादिह। महा
 पापा सुपासुर्गया निसाह सुवत्सवान् ॥ पुनश्चा गीस मासाथ मुक्ता ह्यसु ४ सर्वजनक वः ॥
 वन्नैव वरु ॥

|| ॐ नमो भगवते वासुदेवाय || ॥ १॥

Handwritten text in Devanagari script, likely a manuscript page. The text is written in black ink on aged paper and appears to be a continuous passage of prose or verse.

[illegible][illegible]

۷۵۵

1181# R. E. J. S. K. S. H. U. Y. A. S.

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
 श्रीमद्भगवद्गीता ॥ अध्यायः प्रथमः ॥
 अर्जुनसंवादे ॥ १ ॥

[illegible]

[illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वदा ॥ २ ॥
सर्वदुःखहर्त्रा सर्वपापहर्त्रा ॥ ३ ॥
सर्वकलहहर्त्रा सर्वमोक्षदहर्त्रा ॥ ४ ॥
सर्वमङ्गलमाय ॥ ५ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वदा ॥ ७ ॥
सर्वदुःखहर्त्रा सर्वपापहर्त्रा ॥ ८ ॥
सर्वकलहहर्त्रा सर्वमोक्षदहर्त्रा ॥ ९ ॥
सर्वमङ्गलमाय ॥ १० ॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

नाम ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
रामिन ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
रगवती ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
वृद्धादीर्घथी ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
महेश्वरीदीप ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
कोमारीवसिकदाग ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
वेष्ठी ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
वागहीर्गशुभा ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
वाम् ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
महलक्ष्मी ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
वहिनवद्व ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
जगल ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नानायदी ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
महादेवदत्तमा ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
शिवप्रकाशक ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
शीम ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
सुखती ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
शानगदीप ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
दीप ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
श्रीगमर्थथु ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
विद्यापी ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥